बधाई हो बधाई

बच्चे का नाम : ..... जन्म तिथि : .....

पिता का नाम : ..... माता का नाम : .....

जन्म स्थान : ..... जिला : .....

टीकाकरण की तिथि : .....

the social mobilisation network

हर बच्चा · हर बार
दो बूंद ज़िन्दगी की
دو بوند زندگی کی
ہر بچہ · ہر بار

टीकाकरण तालिका

बच्चों के लिए

बी. सी. जी.
जन्म के तुरन्त बाद
1 वर्ष के अन्दर जल्द से जल्द

पोलियो–0
जन्म से 15 दिनों के अन्दर

1½ महीने पर
- डी.पी.टी.-1
- पोलियो-1

2½ महीने पर
- डी.पी.टी.-2
- पोलियो-2

3½ महीने पर
- डी.पी.टी.-3
- पोलियो-3

9 महीने पर
- मीज़ल्स (खसरा)
- विटामिन 'ए'

16 से **24** महीने पर
- डी.पी.टी. बूस्टर
- पोलियो बूस्टर
- विटामिन 'ए'

1½ साल दूसरी खुराक
2½ साल तीसरी खुराक

बाल स्वास्थ्य पोषण माहों के दौरान

गर्भवती महिलाओं के लिए

गर्भ की प्रारम्भिक अवस्था में
- टी.टी. 1

टिट्नेस से बचाव के लिए

टी.टी. 1 के एक महीने बाद
- टी.टी. 2

अगर पिछली गर्भावस्था में टी.टी के दो टीके लगवाए गए हों और अगली गर्भावस्था यदि तीन साल के अंदर हो तब सिर्फ एक
- टी.टी. बूस्टर

अपने बच्चे की अच्छी सेहत के लिए माता–पिता छह बातों को गाँठ बाँध लें

1. बच्चे को माताएं अपने बदन से चिपका कर रखें ताकि उनके बदन की गर्मी और उनका प्यार बच्चे को मिले और वह खुद को सुरक्षित भी महसूस करे। माताओं को प्रोत्साहन देने में पिता की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

2. पैदा होने के एक घन्टे के भीतर माँ बच्चे को अपना दूध पिलाना शुरू कर दे। धात्राी का पहला पीला गाढ़ा दूध (खीस)बच्चे को बहुत सी बीमारियों से बचाता है।

3. बच्चे को छह महीने तक माँ सिर्फ़ अपना दूध पिलाए। इसके अलावा खाने–पीने को और कुछ न दे। पानी, घुट्टी, शहद, वगैरह कुछ भी न दें।

4. नवजात बच्चा बहुत नाजुक होता है और फिर आपके इलाके में पोलियो का विषाणु भी फैला हुआ है। अपने बच्चे को इससे बचाने के लिए जल्द से जल्द पोलियो की खुराक पिलवा दें।

5. बच्चों को टीकाकरण के द्वारा 6 खतरनाक बीमारियों से बचाया जा सकता है। यह बीमारियाँ हैं– टी.बी., टिट्नेस, डिप्थीरिया, काली खांसी, पोलियो और खसरा। इसलिए उम्र के अनुसार बच्चों का टीकाकरण अवश्य करवाएं।

6. दस्त (डायरिया) शुरू होते ही बच्चे को ओ.आर.एस. का घोल पिलवायें और जिंक की गोली दें।

सारे टीके–पूरा ध्यान,
स्वस्थ रहे मां–संतान